



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 431]

नई दिल्ली, शुक्रवार, प्रवृत्त 26, 1979/कार्तिक 4, 1901

No. 431]

NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 26, 1979/KARTIKA 4, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह मंत्रालय

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर, 1979

का० प्रा० 601 (अ).—राष्ट्रपति द्वारा जारी किया गया निम्नलिखित
आदेश सर्वसाधारण को जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है:—

“आदेश

यतः मैं, नीलम संजीव रेड्डी, भारत के राष्ट्रपति ने, 12 नवम्बर, 1978 को संघ राज्य क्षेत्र शासन अधिनियम, 1963 (1963 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “अधिनियम” कहा गया है) के कतिपय उपबन्धों का प्रवर्तन पाण्डिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के संबंध में उम तारीख से छः मास की कालावधि के लिए निलम्बित करते हुए, और कतिपय भ्रानुबंधिक और पारिणामिक उपबन्ध बनाते हुए जो मुझे उपर्युक्त कालावधि में पाण्डिचेरी संघ राज्य क्षेत्र का प्रशासन संविधान के अनुच्छेद 239 के उपबन्धों के अनुसार बनाने के लिए आवश्यक और समीचीन लगे थे, एक आदेश किया था;

और यतः मैंने, उक्त आदेश के अधीन निलम्बित अधिनियम के उप-बन्धों के प्रवर्तन के निलम्बन को 12 मई, 1979 से छः मास की और अवधि के लिए जारी रखते हुए, 10 मई, 1979 को एक और आदेश किया था;

और यतः मेरा यह समाधान हो गया है कि पाण्डिचेरी संघ राज्य क्षेत्र में स्थिति अभी भी ऐसी बनी हुई है कि उक्त संघ राज्य क्षेत्र का प्रशासन अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार नहीं चलाया जा सकता और संघ राज्य क्षेत्र के उचित प्रशासन के लिए यह आवश्यक है कि उक्त प्रथम आदेश के अधीन निलम्बित किए गए अधिनियम के उपबन्धों का प्रवर्तन निलम्बित बना रहना चाहिए और उसमें किए गए भ्रानुबंधिक और पारिणामिक उपबन्ध धारक मास की अवधि के परे प्रवृत्त बने रहने चाहिए;

अतः अब अधिनियम की धारा 51 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों और उम निमित्त मुझे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, नीलम संजीव रेड्डी, भारत का राष्ट्रपति, एतद्वारा निदेश देता हूँ:—

(क) कि उक्त प्रथम आदेश के खण्ड (क) के फलस्वरूप निलम्बित अधिनियम के उपबन्धों का निवन्धन और उक्त आदेश के खंड (ख) के फलस्वरूप बनाए गए भ्रानुबंधिक और पारिणामिक उपबन्ध 12 नवम्बर, 1979 से दो मास और चार दिन की और कालावधि के लिए प्रवर्तित रहेंगे; और

(ख) यह कि उक्त प्रथम आदेश के खण्ड (क) में “एक वर्ष” शब्दों के स्थान पर “एक वर्ष, दो मास और चार दिन” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[सं० यू०-11012/1/79-यू०टी०एल०]

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 26th October, 1979

S.O. 601(E).—The following Order made by the President is published for general information :—

ORDER

Whereas I, Neelam Sanjiva Reddy, President of India had on 12th November 1978, made an Order suspending for a period of six months from that date the operation of certain provisions of the Government of Union Territories Act, 1963 (20 of 1963), (hereinafter referred to as "the Act") in relation to the Union Territory of Pondicherry, and making certain incidental and consequential provisions which appeared to me to be necessary and expedient for administering the Union Territory of Pondicherry in accordance with the provisions of article 239 of the Constitution during the aforesaid period ;

And whereas I had on the 10th May, 1979, made a further Order continuing the suspension of operation of the provisions of the Act suspended under the aforesaid Order, for a further period of six months with effect from the 12th May, 1979 ;

And whereas I am satisfied that the situation in the Union Territory of Pondicherry continues to be such that the administration of that Territory cannot be carried on in accordance with the provisions of the Act and that for the proper administration of that Union Territory, it is necessary that the operation of the provisions of the Act suspended by me under the first mentioned Order should continue to remain suspended and the incidental and consequential provisions made therein should continue to operate beyond the period of twelve months ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 51 of the Act and all other powers enabling me in that behalf, I, Neelam Sanjiva Reddy, President of India hereby direct—

(a) that the operation of the provisions of the Act suspended by virtue of clause (a) of the first mentioned Order shall continue to remain suspended and the incidental and consequential provisions made by virtue of clause (b) of the said Order shall continue to be operative for a further period of two months and four days with effect from the 12th November, 1979 ; and

(b) that for the words "one year" occurring in clause (a) of the first mentioned Order, as subsequently amended the words "one year, two months and four days" shall be substituted.

[No. U-11012/1/79-UTL]

क्र० प्र० 602(अ).—राष्ट्रपति द्वारा जारी किया गया निम्नलिखित आदेश सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है :—

आदेश

यतः मैने, नीलम संजीव रेड्डी, भारत के राष्ट्रपति ने, 27 अगस्त, 1979 को संघ राज्य क्षेत्र शासन अधिनियम, 1963 (1963 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "अधिनियम" कहा गया है) के कतिपय उप-

बन्धों का प्रवर्तन गोवा, दमण व दीव संघ राज्य क्षेत्र के सम्बन्ध में उस तारीख से छः मास की कालावधि के लिए निलम्बित करने हुए, और कतिपय आनुषंगिक और पारिणामिक उपबन्ध बनाने हुए जो मुझे उपर्युक्त कालावधि में गोवा, दमण व दीव संघ राज्य क्षेत्र का प्रशासन संविधान के अनुच्छेद 239 के उपबन्धों के अनुसार चलाने के लिए आवश्यक और समीचीन लगे थे; एक आदेश किया था;

और यतः मेरा यह समाधान हो गया है कि उक्त संघ राज्य क्षेत्र में स्थिति अभी भी ऐसी बनी हुई है कि उस संघ राज्य क्षेत्र का प्रशासन अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार नहीं चलाया जा सकता और संघ राज्य क्षेत्र के उचित प्रशासन के लिए यह आवश्यक है कि उक्त आदेश के अधीन मेरे द्वारा निलम्बित किए गए अधिनियम के उपबन्धों का प्रवर्तन निलम्बित बना रहना चाहिए और उसमें किए गए आनुषंगिक और पारिणामिक उपबन्ध उक्त आदेश में उल्लिखित छः मास की अवधि के परे प्रवृत्त बने रहने चाहिए;

अतः अथ अधिनियम की धारा 51 द्वारा प्रदत्त शक्तियों और उस निमित्त मुझे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करने हुए, मैं एतद्वारा निवेश देता हूँ :—

(क) कि उपरोक्त आदेश के खण्ड (क) के फलस्वरूप निलम्बित अधिनियम के उपबन्धों का निलम्बन और उक्त आदेश के खण्ड (ख) के फलस्वरूप बनाए गए आनुषंगिक और पारिणामिक उपबन्ध 27 अक्तूबर, 1979 से दो मास और बीस दिन की और कालावधि के लिए प्रवर्तित रहेंगे; और

(ख) यह कि उक्त आदेश के खण्ड (क) में "छः मास" शब्दों के स्थान पर "आठ मास और बीस दिन" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

नई दिल्ली,
25 अक्तूबर, 1979.

नीलम संजीव रेड्डी, राष्ट्रपति

[सं० यू०-11012/2/79-यू० टी० एल०]
श्रीबल्लभ शरण. संयुक्त सचिव

S.O. 602(E).—The following Order made by the President is published for general information :—

ORDER

Whereas I, Neelam Sanjiva Reddy, President of India had on the 27th April, 1979, made an Order suspending, for a period of six months from that date the operation of certain provisions of the Government of Union Territories Act, 1963 (20 of 1963), (hereinafter referred to as "the Act") in relation to the Union Territory of Goa, Daman and Diu, and making certain incidental and consequential provisions which appeared to me to be necessary and expedient for administering the Union Territory of Goa, Daman and Diu in accordance with the provisions of article 239 of the Constitution during the aforesaid period ;

And whereas, I am satisfied that the situation in the Union Territory continues to be such that the administration of that Territory cannot be carried on in accordance with the provisions of the Act and that for the proper administration of the Union Territory, it is necessary that the operation of the provisions of the Act suspended by me under the said Order should continue to remain suspended and the incidental and consequential provisions made therein should continue to operate beyond the period of six months mentioned in the said Order ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 51 of the Act and of all other powers enabling me in that behalf, I hereby direct—

- (a) that the operation of the provisions of the Act suspended by virtue of clause (a) of the aforesaid Order shall continue to remain suspended and the incidental and consequential provisions made by virtue of clause (b) of the said Order shall continue to be operative, for a further period of two months and twenty days with effect from the 27th October, 1979; and

- (b) that for the words "six months" occurring in clause (a) of the aforesaid Order, the words "eight months and twenty days" shall be substituted.

New Delhi,
the 25th October, 1979

NEELAM SANJIVA REDDY, President

[No. U-11012/1/79-UTL]

S. V. SHARAN, Jt. Secy.

